

Critically evaluate the role of I.M.F. and World Bank in meeting the problems of inequalities in the under-developed countries.

Role of the IMF and World Bank in Reducing Inequalities in Under-Developed Countries:

The International Monetary Fund (IMF) and World Bank were established with the goal of promoting global economic stability and reducing poverty. Both organizations provide financial support to under-developed countries to help them address economic issues and boost development. However, their roles in reducing inequalities have been widely debated. The IMF generally focuses on stabilizing economies through short-term financial assistance, while the World Bank provides long-term development loans and assistance for infrastructure projects. Despite their efforts, critics argue that the policies of both institutions may sometimes worsen inequalities rather than resolve them.

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आई.एम.एफ.) और विश्व बैंक की स्थापना वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा देने और गरीबी को कम करने के उद्देश्य से की गई थी। दोनों संगठन अविकसित देशों को आर्थिक समस्याओं का समाधान करने और विकास को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। हालांकि, असमानताओं को कम करने में उनकी भूमिकाओं पर व्यापक बहस हुई है। आई.एम.एफ. मुख्य रूप से अल्पकालिक वित्तीय सहायता के माध्यम से अर्थव्यवस्थाओं को स्थिर करने पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि विश्व बैंक दीर्घकालिक विकास ऋण और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए सहायता प्रदान करता है। उनके प्रयासों के बावजूद, आलोचकों का तर्क है कि इन दोनों संस्थानों की नीतियां कभी-कभी असमानताओं को कम करने के बजाय उन्हें बढ़ा सकती हैं।

Structural Adjustment Programs and Their Impact:

One of the main criticisms of the IMF and World Bank is their use of Structural Adjustment Programs (SAPs), which impose certain economic reforms as conditions for receiving loans. SAPs often require countries to reduce public spending, privatize state-owned enterprises, and open up markets. While these reforms aim to make economies more competitive, they can also result in cuts to social services, which disproportionately affect the poor. For under-developed countries, SAPs have sometimes led to increased unemployment and reduced access to education and healthcare, worsening inequalities instead of reducing them.

आई.एम.एफ. और विश्व बैंक की एक मुख्य आलोचना उनके संरचनात्मक समायोजन कार्यक्रमों (एस.ए.पी.) का उपयोग है, जो ऋण प्राप्त करने के लिए कुछ आर्थिक सुधारों को अनिवार्य बनाते हैं। एस.ए.पी. अक्सर देशों से सार्वजनिक खर्च को कम करने, राज्य-स्वामित्व वाले उद्यमों का निजीकरण

करने और बाजारों को खोलने की मांग करते हैं। इन सुधारों का उद्देश्य अर्थव्यवस्थाओं को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाना है, लेकिन इससे सामाजिक सेवाओं में कटौती भी हो सकती है, जिससे गरीबों पर अधिक प्रभाव पड़ता है। अविकसित देशों के लिए, एस.ए.पी. ने कभी-कभी बेरोजगारी बढ़ाई है और शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच को कम किया है, जिससे असमानताएं घटने के बजाय बढ़ गई हैं।

Support for Infrastructure and Development Projects:

The World Bank, on the other hand, provides long-term loans for infrastructure projects such as roads, bridges, and schools. These projects can help create jobs, improve education, and enhance public health, contributing to poverty reduction. However, critics argue that these projects often favor urban areas or wealthier regions, neglecting rural and poorer areas where inequality is higher. Additionally, large infrastructure projects sometimes lead to displacement of communities, worsening poverty and inequalities among vulnerable groups.

दूसरी ओर, विश्व बैंक सड़कों, पुलों और स्कूलों जैसे बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं के लिए दीर्घकालिक ऋण प्रदान करता है। ये परियोजनाएं नौकरियों के सृजन, शिक्षा में सुधार और सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक हो सकती हैं, जिससे गरीबी में कमी आती है। हालांकि, आलोचकों का कहना है कि ये परियोजनाएं अक्सर शहरी क्षेत्रों या अमीर क्षेत्रों का पक्ष लेती हैं और ग्रामीण और गरीब क्षेत्रों की उपेक्षा करती हैं, जहाँ असमानता अधिक होती है। इसके अलावा, बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के कारण कभी-कभी समुदायों का विस्थापन हो सकता है, जिससे कमजोर समूहों में गरीबी और असमानताएं बढ़ सकती हैं।

Focus on Economic Growth over Social Welfare:

Another criticism is that the IMF and World Bank prioritize economic growth over social welfare. While economic growth can create wealth, it does not automatically lead to reduced inequalities. In many cases, the benefits of growth are unevenly distributed, with wealthier segments of society benefiting more than the poorer ones. Critics argue that the IMF and World Bank should focus more on inclusive growth policies that directly address poverty and inequality, rather than solely on increasing GDP.

एक और आलोचना यह है कि आई.एम.एफ. और विश्व बैंक सामाजिक कल्याण पर आर्थिक वृद्धि को प्राथमिकता देते हैं। आर्थिक वृद्धि से संपत्ति तो बन सकती है, लेकिन यह स्वचालित रूप से असमानताओं को कम नहीं करती। कई मामलों में, वृद्धि के लाभ असमान रूप से वितरित होते हैं, जहाँ समाज के संपन्न वर्ग गरीबों की तुलना में अधिक लाभान्वित होते हैं। आलोचकों का मानना है कि आई.एम.एफ. और विश्व बैंक को अधिक समावेशी वृद्धि नीतियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जो सीधे तौर पर गरीबी और असमानता का समाधान करें, न कि केवल जी.डी.पी. में वृद्धि पर।

In conclusion, while the IMF and World Bank have provided significant support to under-developed countries, their impact on reducing inequalities remains mixed. While they contribute to economic growth, critics believe that their policies sometimes worsen inequalities by prioritizing market reforms over social welfare. To address inequalities more effectively, the IMF and World Bank may need to re-evaluate their approaches, focusing more on inclusive policies that consider the social impact of economic reforms.

निष्कर्ष रूप में, जबकि आई.एम.एफ. और विश्व बैंक ने अविकसित देशों को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की है, असमानताओं को कम करने पर उनका प्रभाव मिश्रित है। वे आर्थिक वृद्धि में योगदान देते हैं,

लेकिन आलोचकों का मानना है कि उनकी नीतियां सामाजिक कल्याण पर बाजार सुधारों को प्राथमिकता देकर कभी-कभी असमानताओं को बढ़ा देती हैं। असमानताओं को अधिक प्रभावी ढंग से हल करने के लिए, आई.एम.एफ. और विश्व बैंक को अपनी नीतियों का पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता हो सकती है, जिसमें समावेशी नीतियों पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जाए जो आर्थिक सुधारों के सामाजिक प्रभावों को ध्यान में रखें।

Neo-liberal Approach to International Relations:

The Neo-liberal approach in international relations suggests that countries can benefit more by cooperating with each other rather than competing. Unlike realism, which focuses on conflict and power, neo-liberalism believes that even in an anarchic world (where no central authority exists), countries can work together to achieve common goals. This approach sees international organizations, trade, and economic connections as tools that help countries build trust and stability. By working together, countries can avoid conflicts and help each other grow.

अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में नव-उदारवादी दृष्टिकोण का मानना है कि देश आपसी सहयोग से एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करने की बजाय अधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यथार्थवाद के विपरीत, जो संघर्ष और शक्ति पर ध्यान केंद्रित करता है, नव-उदारवाद मानता है कि एक अराजक दुनिया में भी (जहाँ कोई केंद्रीय शक्ति नहीं होती), देश आपसी लक्ष्य पाने के लिए साथ मिलकर काम कर सकते हैं। यह दृष्टिकोण अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, व्यापार और आर्थिक संबंधों को उन साधनों के रूप में देखता है, जो देशों के बीच विश्वास और स्थिरता बनाने में मदद करते हैं। एक साथ काम करके, देश संघर्षों से बच सकते हैं और एक-दूसरे की प्रगति में सहायता कर सकते हैं।

Role of International Organizations:

According to the neo-liberal approach, international organizations like the United Nations or World Trade Organization play an important role in encouraging cooperation. These organizations set rules and guidelines that countries agree to follow, which helps prevent conflicts and misunderstandings. They also provide a platform where countries can discuss and resolve issues. Neo-liberalism sees these organizations as essential because they make it easier for countries to trust one another and work together peacefully.

नव-उदारवादी दृष्टिकोण के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र या विश्व व्यापार संगठन जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठन सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये संगठन ऐसे नियम और दिशानिर्देश बनाते हैं, जिनका पालन देश सहमति से करते हैं, जिससे संघर्षों और गलतफहमियों को रोका जा सकता है। ये संगठन देशों को मुद्दों पर चर्चा करने और उन्हें हल करने का मंच भी प्रदान करते हैं। नव-उदारवाद इन संगठनों को आवश्यक मानता है क्योंकि वे देशों के बीच आपसी विश्वास बढ़ाते हैं और शांति से मिलकर काम करने में सहायक होते हैं।

Economic Interdependence:

Neo-liberalism also highlights the importance of economic interdependence. When countries trade and invest in each other's economies, they become economically connected. This connection creates a reason for countries to avoid conflict, as war or disputes could hurt their economic interests. By promoting trade and economic cooperation, neo-liberalism believes that countries can achieve mutual benefits and reduce the chances of war.

नव-उदारवाद आर्थिक परस्पर निर्भरता के महत्व को भी उजागर करता है। जब देश व्यापार करते हैं और एक-दूसरे की अर्थव्यवस्थाओं में निवेश करते हैं, तो वे आर्थिक रूप से जुड़ जाते हैं। यह जुड़ाव देशों को संघर्ष से बचने का कारण देता है, क्योंकि युद्ध या विवाद उनके आर्थिक हितों को नुकसान पहुंचा सकता है। नव-उदारवाद का मानना है कि व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देकर देश आपसी लाभ प्राप्त कर सकते हैं और युद्ध की संभावना को कम कर सकते हैं।

Human Rights and Democratic Values:

Neo-liberalism also emphasizes the importance of human rights and democratic values in international relations. It suggests that countries with similar values, like respect for democracy and human rights, are more likely to cooperate. These shared values help create trust and make it easier for countries to work together, as they often have common interests and goals in creating a peaceful world.

नव-उदारवाद अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में मानवाधिकारों और लोकतांत्रिक मूल्यों के महत्व पर भी जोर देता है। यह सुझाव देता है कि समान मूल्यों वाले देश, जैसे कि लोकतंत्र और मानवाधिकारों का सम्मान, अधिक संभावना से सहयोग करेंगे। ये साझा मूल्य विश्वास बनाते हैं और देशों के लिए साथ मिलकर काम करना आसान बनाते हैं, क्योंकि उनके पास अक्सर एक शांतिपूर्ण दुनिया बनाने में सामान्य हित और लक्ष्य होते हैं।

Link of other parts is given in the description box.

Join our Whatsapp Channel.